



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 106]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 11, 2005/फाल्गुन 20, 1926

No. 106]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 11, 2005/PHALGUNA 20, 1926

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(बेतार आयोजना और समन्वय स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2005

सा.का.नि. 168(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और धारा 7 और भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 और धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेडियो आवृत्ति अभिज्ञान यंत्र (आरएफआईडी) के लिए 865 से 867 मेगाहर्ट्ज तक के आवृत्ति बैंड में अल्पशक्ति उपस्कर का उपयोग (अनुज्ञापन अपेक्षा से छूट) नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) अभिप्रेत है;

(ख) "प्रभावी विकिरित क्षमता" में एंटिना की प्राप्यता, यदि कोई हो, सम्मिलित है;

(ग) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किंतु अधिनियम और भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उन अधिनियमों में हैं।

3. 865 मेगाहर्ट्ज से 867 मेगाहर्ट्ज तक के बैंड में बेतार उपस्कर का उपयोग.—तत्समय प्रवृत्त किसी विधि में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, किसी भी व्यक्ति से अव्यतिकरण, असंरक्षित और गैर-विशिष्ट आधार पर 865 से 867 मेगाहर्ट्ज तक के आवृत्ति बैंड में अधिकतम 1 वाट ट्रांसमीटर शक्ति, 4 वाट की प्रभावी विकिरित शक्ति और 200 किलोहर्ट्ज की संवाहक बैंडविड्थ युक्त रेडियो आवृत्ति अभिज्ञान यंत्र (आरएफआईडी) की स्थापना करने, अनुरक्षण करने, कार्य करने, कब्जे में रखने या व्यवहार करने के लिए कोई अनुज्ञप्ति अपेक्षित नहीं होगी।

4. व्यतिकरण.—किसी रेडियो संचार प्रणाली में अभिग्रहण पर उत्सर्जनों, विकिरणों या आगमन में से किसी एक या उनके किसी मिश्रण के कारण अवांछित ऊर्जा का प्रभाव, जो किसी निष्पादन निम्नीकरण, अपनिर्वचन या जानकारी की कमी से प्रकट हुआ हो, जो ऐसी अवांछित ऊर्जा के अभाव में निष्कर्षित किया जा सके, उस दशा में जहां कोई व्यक्ति, जिसको अधिनियम, की धारा 4 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति जारी की गई, सूचित करता है कि उसकी अनुज्ञप्ति युक्त प्रणाली इन नियमों के अधीन छूट प्राप्त किसी अन्य रेडियो संचार प्रणाली से हानिग्रस्त हो रहा है तो ऐसे अनुज्ञप्तिविहीन बेतार उपस्कर का अंतःप्रयोग बंद कर दिया जाएगा।

[सं. आर-11014/23/2004-एल आर]

अशोक कुमार, संयुक्त बेतार सहायक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY**(Wireless Planning and Coordination Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th March, 2005

G.S.R. 168(E).—In exercise of the powers conferred by Sections 4 and 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and Sections 4 and 10 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Use of low power Equipment in the frequency band 865—867 MHz for (RFID) Radio Frequency Identification Devices (Exemption from Licensing Requirement) Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);

(b) “Effective Radiated Power” includes the gain of the antenna, if any;

(c) words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act and the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), shall have the same meanings respectively as assigned to them in those Acts.

3. Use of wireless equipment in the band 865—867 MHz.—Notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, no licence shall be required by any person to establish, maintain, work, possess or deal in Radio Frequency Identification Devices (RFID), on non-interference, non-protection and non-exclusive basis, in the frequency band 865—867 MHz with maximum 1 Watt transmitter power, 4 Watts Effective Radiated Power and 200 kHz carrier bandwidth.

4. Interference.—The effect of unwanted energy due to one or a combination of emissions, radiations or induction upon reception in a radio communication system, manifested by any performance degradation, misinterpretation, or loss of information which could be extracted in the absence of such unwanted energy. In case where any person to whom a licence has been issued under Section 4 of the Act, informs that his licensed system is getting harmful interference from any other radio communication system exempted under these rules, the use of such unlicensed Wireless equipment shall be discontinued forthwith.

[No. R-11014/23/2004-LR]

ASHOK KUMAR, Jt. Wireless Advisor